डिजियात्रा

हाल ही में सरकार ने **हवाई यात्रा को और सुलभ बनाने हेतु चुनिंदा हवाई अड्डों पर पेपरलेस एंट्री की शुरुआत की है।**

- **पहले चरण में यह पहल सात हवाई अड्डों पर शुरू की जाएगी,** जिसमें पहले तीन हवाई अड्डे - दिल्ली, बेंगलुरु और वाराणसी के होंगे। इसके बाद मार्च 2023 तक हैदराबाद, कोलकाता, पुणे और विजयवाड़ा हवाई अड्डों को शामिल किया जाएगा।
- इसके बाद इस तकनीक का उपयोग राष्ट्रीय स्तर पर किया जाएगा।

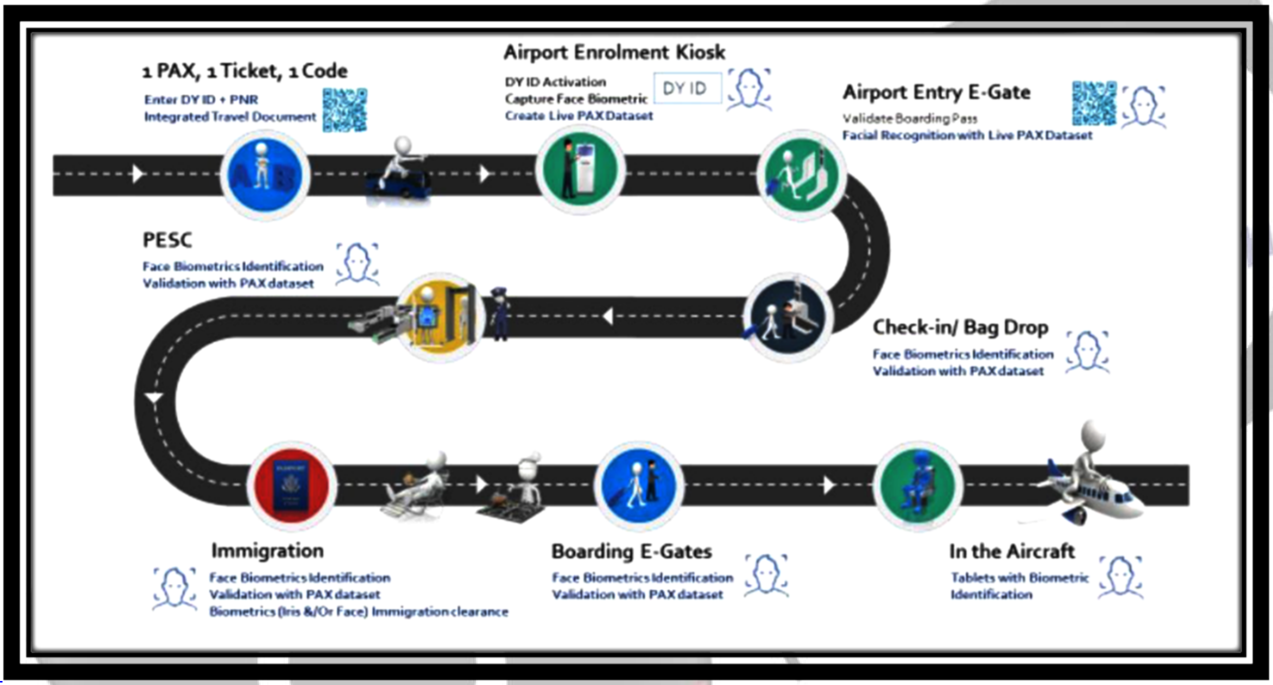

//

डिजियात्रा:

- **परिचय:**
  - **डिजियात्रा** एक परिकल्पना है जिसके तहत **यात्री अपनी पहचान की पुष्टि करने के लिये चेहरे(फेसिअल फीचर्स) का उपयोग करते हुए पेपरलेस और संपर्क रहित (कॉन्टैक्टलेस) प्रक्रिया के माध्यम से हवाई अड्डे पर विभिन्न चेकपॉइंट्स से गुजरते** हैं जो उनके बोर्डिंग पास से जुड़ा(लिंक्ड) होगा।
  - इस तकनीक के साथ, हवाईअड्डे, सुरक्षा जाँच क्षेत्रों, विमान बोर्डिंग आदि में प्रवेश सहित सभी चेकपॉइंट्स पर**चेहरे की पहचान प्रणाली** के आधार **पर यात्रियों का प्रवेश को स्वचालित रूप से किया जाएगा।**
- **कार्यान्वयन:**
  - यह परियोजना नागरिक उड्डयन मंत्रालय के तहत **डिजीयात्रा फाउंडेशन** द्वारा कार्यान्वित की जा रही है।
    - डिजीयात्रा फाउंडेशन एक **संयुक्त उद्यम कंपनी है जिसके शेयरधारक भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण**
- **महत्त्व:**
  - चेहरे की पहचान तकनीक फायदेमंद है क्योंकि**यह हवाईयात्रा को अधिक सुविधाजनक बनाती है और हवाईअड्डों पर भीड़ कम करती है।**
    - दुबई, सिंगापुर, अटलांटा और नारिता (जापान) सहित दुनिया भर के विभिन्न हवाई अड्डों पर चेहरे की पहचान प्रणाली ने दक्षता लाने में मदद की है। **परिणामस्वरूप ये कम लागत पर संचालित होते हैं।**
  - वर्तमान मैनुअल प्रक्रियाओं को डिज़िटल स्वरूप प्रदान किया जाता है और बेहतर क्षमता लाने के लिये प्रयास किया जाता है
  - सुरक्षा मानकों को बढ़ाया जाएगाऔर वर्तमान सिस्टिम प्रदर्शन में सुधार किया जाएगा

    - डिजीयात्रा के साथ **भारत, हवाई अड्डों पर एक निर्बाध, परेशानी मुक्त और स्वास्थ्य जोखिम मुक्त प्रक्रिया के लिये एक नया वैश्विक बेंचमार्क स्थापित कर रहा है**

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/digiyatra